खंड एक - उद्धार

यह खंड परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार (अच्छी खबर) की मूल बातें बताता है, तथा उद्धार की योजना प्रस्तुत करता है।

1. (रोमियों 3:10-11) बताइए कि मनुष्यजाति का वर्णन तीन तरीकों से किया गया है।

(1) _____;

(2) _____;

(3) _____.

(रोमियों 3:14-18) मनुष्यजाति के विषय में और क्या बातें कही गयी हैं?

(1) पद 14 _____;

(2) पद 16 में _____;

(3) पद 17 में _____;

(4) पद 18 में _____.

3. (रोमियों 3:19) परमेश्वर ने यह व्यवस्था इसलिए दी ताकि पूरी दुनिया _____

_____.

4. (रोमियों 3:20) व्यवस्था के द्वारा हमें किस बात का बोध होता है? _____.

5. (रोमियों 3:23) परमेश्वर हर किसी के बारे में क्या कहता है? _____

_____.

6. (रोमियों 5:8) परमेश्वर ने हमारे उद्धार के लिए क्या प्रबंध किया है? _____.

7. (रोमियों 5:10) हम परमेश्वर के शत्रु थे, लेकिन अब हम परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप कर सकते हैं।

यह कैसे संभव है? _____.

टिप्पणी: मेलमिलाप क्रूस पर मसीह की मृत्यु के उद्देश्य का वर्णन करता है। स्वाभाविक मनुष्य परमेश्वर का विरोधी है, और उससे अलग है। क्रूस पर मसीह की मृत्यु सर्वोच्च बलिदान था। इसने हमें परमेश्वर के साथ मेलमिलाप कराया, और हमें उसके लिए स्वीकार्य बनाया। यदि हम मसीह पर अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा करते हैं, तो हम पाप से कलंकित नहीं होते बल्कि मसीह के लहू से धुलकर शुद्ध हो जाते हैं। अब हम मसीह की देह के सदस्य हैं।

8. (रोमियों 6:23) पाप की मज़दूरी क्या है? _____ परमेश्वर का उपहार क्या है? _____.

यह उपहार किसके माध्यम से आता है? _____.

9. (1 तीमुथियुस 1:15) इस आयत में वफादार लोग क्या कह रहे हैं? _____

_____.

10. (1 कुरिन्थियों 15:3-4) ये आयतें हमें पौलुस द्वारा प्रचारित सुसमाचार की बुनियादी सच्चाइयाँ बताती हैं। इन पदों को अपने शब्दों में लिखिए। _____

_____.

11. (2 थिस्सलुनीकियों 1:8) पलटा और न्याय किस पर आएगा? _____

_____.

12. (2 थिस्सलुनीकियों 1:9) सज़ा क्या है? _____.

13. (प्रकाशितवाक्य 20:15) मसीह को अस्वीकार करनेवालों का आखिरी न्याय क्या होगा? _____.

14. आठवें प्रश्न में हमने देखा कि अनंत जीवन परमेश्वर की ओर से एक उपहार है। यह इफिसियों 2:8 के पहले भाग से सहमत है जो कहता है, _____.

15. (इफिसियों 2:8-9) हम अनुग्रह से बचाए गए हैं, और यह _____.

16. (रोमियों 5:1) यदि आपने मसीह पर विश्वास किया है, तो अब आपके पास क्या है? _____.

17. (रोमियों 8:35-39) क्या बात हमें मसीह के प्रेम से अलग कर सकती है? (सही उत्तर पर गोला लगाएं.)

(1) अलौकिक शक्तियां (2) संकट

(3) मृत्यु (4) क्लेश

(5) उत्पीड़न (6) कुछ नहीं

18. (रोमियों 10:13) परमेश्वर ने हमसे क्या वादा किया है? _____

_____.

19. (1 तीमुथियुस 2:5) परमेश्वर और मनुष्यों के बीच एकमात्र बिचवई कौन है? _____.

20. (1 तीमुथियुस 2:6) प्रभु यीशु ने सबके लिए क्या किया? _____.

जाँचें कि आप अपने बचाव के लिए किस पर निर्भर हैं: (1) चर्च की सदस्यता / (2) बपतिस्मा / (3) दस आज्ञाओं का पालन करना / (4) अच्छे काम करना / (5) केवल यीशु मसीह

रोमियों 10:9 आपको बताता है कि आप मसीह में विश्वास के द्वारा बचाये जा सकते हैं, कि यदि आप अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करें, और अपने मन से विश्वास करें कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो आप बचाये जायेंगे (पूरी तरह से मसीह में)। अतः मसीह के पूर्ण कार्य पर विश्वास करने की आवश्यकता से अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है।

तो क्यों न अब प्रार्थना करें और परमेश्वर से कहें कि आप उसके पुत्र पर भरोसा करते हैं? उदाहरण प्रार्थना: प्रिय परमेश्वर, मैं जानता हूँ कि मैं पापी हूँ। मैं जानता हूं कि मेरे पाप के लिए मुझे अनन्त मृत्यु की सजा मिलनी चाहिए। लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि मसीह मेरे लिये मरा और कब्र से जी उठा। मैं अपने उद्धारकर्ता के रूप में केवल यीशु मसीह पर ही भरोसा करता हूँ। यीशु मसीह के नाम पर मुझे जो क्षमा और अनन्त जीवन मिला है उसके लिए धन्यवाद, आमीन।"

क्या आपने नरक में जाने से बचने के लिए मसीह पर अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा किया _____ है? हां _____ नहीं

क्या आप मानते हैं कि जो लोग मसीह के बिना हैं या जो मसीह के पूर्ण कार्य में योगदान देते हैं वे नरक में जाएंगे? _____ हाँ _____ नहीं

भाग एक के लिए स्मरणीय वचन है रोमियों 10:9

भाग एक में, हमने परमेश्वर की उद्धार योजना से संबंधित कई बाइबल वचन पढ़े। जब हमने नरक में जाने से बचने के लिए मसीह पर अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा कर लिया है, तो हमें उन आशीषों और विशेषाधिकारों को जानने की आवश्यकता है जो अब परमेश्वर के परिवार में पुत्रों के रूप में हमारे पास हैं।

1. (गलतियों 4:6) परमेश्वर ने क्या किया है, क्योंकि हम उसके पुत्र हैं? _____

_____.

2. (रोमियों 8:16) आत्मा हमारी आत्मा के साथ गवाही देती है कि हम हैं _____.

3. (इफिसियों 4:30) परमेश्वर ने हमें यह भरोसा दिलाने के लिए क्या किया है कि हम उसके हैं? _____

_____.

4. (इफिसियों 1:6-7) हम पढ़ते हैं कि हम प्रिय (अर्थात् परमेश्वर के प्रिय पुत्र मसीह) में स्वीकार किये गये हैं। पद सात में कौन सी दो बातें हमारे पास भी हैं क्योंकि हम मसीह में हैं?

(1) _____; (2) _____.

5. (इफिसियों 2:19) विश्वासी किस समूह के लोग हैं? _____.

6. (1 कुरिन्थियों 6:11) मसीह में विश्वासियों के लिए परमेश्वर ने कौन सी तीन चीज़ें की हैं?

(1) _____; (2) _____; (3) _____.

टिप्पणी: पवित्र शब्द का अर्थ है "परमेश्वर के लिए अलग रखा गया" या "परमेश्वर के उपयोग के लिए अलग रखा गया।" अतः यह आयत हमें सिखाती है कि हम पाप से शुद्ध हो गए हैं और परमेश्वर के लिए अलग कर दिए गए हैं, या पवित्र कर दिए गए हैं। जो पवित्र हो जाता है उसे "संत" कहा जाता है। बाइबल में, मसीह में सभी विश्वासियों को "संत" कहा गया है।

7. (1 कुरिन्थियों 6:11) यहाँ हम शब्द न्यायोचित पाते हैं, जिसका अर्थ है परमेश्वर के सामने न्यायपूर्ण या धार्मिक घोषित करना। रोमियों 3:24 के अनुसार हम कैसे धर्मी ठहरते हैं? _____

_____.

8. (रोमियों 3:28) हम बिना किसी के द्वारा (इसके _____ अलावा) धर्मी ठहरते हैं। _____.

(रोमियों 4:5) कौनसे शब्द दिखाते हैं कि हम कर्मों से धर्मी नहीं ठहराए जा सकते? _____

_____

_____.

10. (रोमियों 4:3) अब्राहम को धर्मी (न्यायसंगत) क्यों माना गया? _____.

11. (रोमियों 8:1) यह आयत उन लोगों के बारे में क्या कहती है जो मसीह यीशु में हैं? _____

_____:

12. (रोमियों 8:2) मसीह यीशु में जीवन की आत्मा ने हमें स्वतन्त्र कर दिया है _____

_____.

13. (रोमियों 8:35, 38-39) हम पढ़ते हैं कि बताई गयी सारी बातें हमें किससे अलग नहीं कर सकतीं?

_____.

14. (1 कुरिन्थियों 6:19) हमने पहले देखा है कि पवित्र आत्मा मसीह में प्रत्येक विश्वासी में रहता है। इसलिए, आपका शरीर ही पवित्र आत्मा है। _____.

15. (1 कुरिन्थियों 6:20) हमें अपने शरीर और आत्मा से परमेश्वर की महिमा करनी चाहिए क्योंकि हम _____

_____.

रिडीम किया — मुझे इसे घोषित करना कितना अच्छा लगता है!
फसह मेमने के लहू के द्वारा छुटकारा पाया गया; उसकी
असीम दया के द्वारा छुटकारा पाया गया, उसका
बच्चा, और सदा के लिए मैं हूं।

फैनी जे. क्रॉस्बी द्वारा

भाग दो के लिए स्मरणीय वचन है रोमियों 8:1

खंड तीन - बाइबल

इस खंड में बाइबल के बारे में संदर्भ दिए गए हैं, यह क्यों सत्य है, और यह जानना हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है कि यह क्या कहता है। बाइबल को "परमेश्वर का वचन" कहा जाता है (उदाहरण के लिए इफिसियों 6:17) और इसे "शास्त्र" भी कहा जाता है (उदाहरण के लिए 1 कुरिन्थियों 15:4)।

1. (1 थिस्सलुनीकियों 2:13) इन विश्वासियों ने पौलुस को प्रचार करते सुना और उन्हें वचन कैसे मिला? _____

_____.

2. (रोमियों 10:17) विश्वास पाने के लिए हमें क्या सुनना चाहिए? _____.

3. (प्रेरितों 17:11) पौलुस जिन लोगों को प्रचार कर रहा था, उन्होंने वचन को मन की तत्परता से ग्रहण किया। फिर उन्होंने क्या किया? _____.

4. (प्रेरितों 20:32) कौन-सी बात हमें आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ाने में मदद कर सकती है? _____.

5. (2 तीमुथियुस 3:15) पवित्र शास्त्र हमें _____

_____.

6 (2 तीमुथियुस 3:16) हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मनुष्यों से वही शब्द लिखवाए जो वह लिखवाना चाहता था, क्योंकि इस आयत का पहला भाग कहता है _____.

7 इसी आयत में चार बातें सूचीबद्ध की गई हैं जिनके लिए शास्त्र लाभदायक है:

(1) _____; (2) _____;

(3) _____; (4) _____.

8. (इफिसियों 6:17) परमेश्वर का वचन कहा जाता है _____;

9 (1 कुरिन्थियों 15:3-4) प्रेरित पौलुस ने अपने द्वारा प्रचारित सुसमाचार की सच्चाई को सुनिश्चित करने के लिए अक्सर शास्त्रों का हवाला दिया। उसने कौन सी तीन बातें कही जो "शास्त्रों के अनुसार" घटित हुईं?

(1) _____;

(2) _____;

(3) _____.

10. (रोमियों 4:3) यहाँ पुराने नियम के शास्त्रों से एक उद्धरण दिया गया है। अब्राहम को धर्मी क्यों माना गया? _____.

11 (इफिसियों 1:13) यह आयत कहती है कि जब तुम सत्य का वचन सुनते हो और विश्वास करते हो, तो तुम क्या हो? _____.

12. (रोमियों 15:4) पवित्र शास्त्र लिखे जाने के दो कारण हैं:

(1) _____;

(2) _____

_____.

13. नये नियम में परमेश्वर के वचन को कई अलग-अलग नाम दिए गए हैं। इनमें से कुछ नाम ये हैं:

(1) फिलिप्पियों 2:16 कुछ शब्द _____;

(2) प्रेरितों 13:26 कुछ शब्द _____;

(3) कुलुस्सियों 3:16 कुछ शब्द _____;

(4) रोमियों 10:8 कुछ शब्द _____;

(5) 2 कुरिन्थियों 5:19 कुछ शब्द _____.

"क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है, और प्राण, और आत्मा को, और गाँठ-गाँठ, और गूदे-गूदे को अलग करके वार पार छेदता है; और मन की भावनाओं और विचारों को जाँचता है" (इब्रानियों 4:12)।

भाग तीन के लिए स्मरणीय वचन इफिसियों 6:17 है

पिछले अनुभागों में हमने बाइबल की आयतों पर विचार किया था जो हमें उद्धार के बारे में, परमेश्वर के धर्मी, पवित्र पुत्रों के रूप में हमारी स्थिति के बारे में, और परमेश्वर के वचन के बारे में सिखाती हैं। यह अनुभाग मुख्य रूप से मसीह में विश्वासियों के रूप में हमारे जीवन और चाल से संबंधित है। परमेश्वर ने हमारे लिए उसकी इच्छा के अनुसार जीने और पाप पर विजय पाने का प्रावधान किया है।

दो महत्वपूर्ण तथ्य जो मसीह में प्रत्येक विश्वासी को अवश्य जानने चाहिए:

(1) चूँकि वह आत्मा से पैदा हुआ है, इसलिए अब उसका स्वभाव नया है, और

(2) यह नया स्वभाव पुराने स्वभाव के साथ संघर्ष में है, जिसे अक्सर "शरीर" कहा जाता है।

1. (रोमियों 7:18) पौलुस ने शरीर के बारे में क्या कहा? _____.

2. (रोमियों 8:7) शारीरिक (शारीरिक) मन के बारे में कौन सी दो बातें कही गयी हैं?

(1) _____; (2) _____

_____.

3. [2] कुरिन्थियों 5:17) नए स्वभाव को कभी-कभी "नई सृष्टि" कहा जाता है। मसीह में नई सृष्टि (प्राणी) होने का परिणाम क्या है? _____

_____.

4. (गलतियों 2:20) नया मनुष्य वह है जो मसीह विश्वासी में रहता है। जैसा कि पौलुस ने कहा, "...मसीह मुझमें रहता है।" अब आपको वह जीवन कैसे जीना चाहिए जो आप अभी शरीर में जी रहे हैं? _____

_____.

5. (इफिसियों 4:24) इस नयी सृष्टि (नये मनुष्य) के विषय में क्या कहा गया है? _____

_____.

6. (इफिसियों 4:25-31) चूँकि हम मसीह में एक नई सृष्टि हैं, इसलिए हमें कुछ बातें बताई गयी हैं जो हमें नहीं करनी चाहिए। वे क्या हैं?

(1) (श्लोक 25) _____;

(2) (श्लोक 28) _____;

(3) (श्लोक 29) _____;

(4) (श्लोक 30) _____;

(5) (श्लोक 31) _____

_____.

7. (रोमियों 12:2) परमेश्वर की इच्छा है कि हम इस बुरी दुनिया के सदृश न बनें, बल्कि यह कि हम इस बुरी दुनिया के सदृश न बनें। _____;

8. (तीतुस 2:11-12) आयत 12 हमें इस बारे में क्या सिखाती है कि हमें कैसे जीना चाहिए? _____

_____;

9. (गलतियों 5:19-23) यह अंश हमारे अंदर शरीर के काम और पवित्र आत्मा के काम के बीच अंतर बताता है। नौ चीज़ों की सूची बनाएँ जो आत्मा के फल हैं (श्लोक 22-23):

(1) _____; (2) _____; (3) _____;

(4) _____; (5) _____; (6) _____;

(7) _____; (8) _____; (9) _____;

10. (गलतियों 5:14, रोमियों 13:9-10) ये आयतें अपने पड़ोसी से प्रेम करने के महत्व के बारे में बताती हैं। प्रेम इतना महत्वपूर्ण क्यों है? _____

_____.

11. कई बार मसीह में विश्वास करने वाले व्यक्ति के जीवन या नैतिक आचरण को उसका "चलना" कहा जाता है। निम्नलिखित आयतों में हमें किस तरह चलना (जीना) चाहिए?

- (गलातियों 5:25) _____;
- (रोमियों 13:13-14) _____

_____

_____;
- (2 कुरिन्थियों 5:7) _____;
- (इफिसियों 5:2) _____;
- (कुलुस्सियों 1:10) _____

_____.

12. (गलतियों 5:16) अगर हम आत्मा के अनुसार चलें, तो नतीजा क्या होगा? _____

_____.

13. (इफिसियों 6:10) पाप और शैतान के खिलाफ़ लड़ाई के लिए हमें ताकत कहाँ से मिलेगी? _____

_____.

14. (कुलुस्सियों 3:17) हम जो कुछ भी करते हैं, उसके बारे में यह आयत क्या कहती है? _____

_____

15. (कुलुस्सियों 3:22-24) प्रेरित पौलुस सेवकों (कर्मचारियों) के लिए परमेश्वर की इच्छा का वर्णन करता है। आयत 23 में, हमारे काम में हमारा रवैया कैसा होना चाहिए? _____

_____.

16. (कुलुस्सियों 4:2-3) यह आयत हमें प्रार्थना के बारे में क्या बताती है? _____

_____

_____

_____.

17. (1 थिस्सलुनीकियों 4:3) हमारे नैतिक जीवन के बारे में परमेश्वर की क्या इच्छा है? ____________________

____.

18. (रोमियों 12:19) हमें अपना बदला क्यों नहीं लेना चाहिए (बदला क्यों नहीं लेना चाहिए)? ________________

____.

19. (2 कुरिन्थियों 6:14) बैलों को एक साथ जोता जाता है (जोता जाता है) ताकि वे एक टीम के रूप में काम कर सकें। हमें अविश्वासियों के साथ असमान जूए में क्यों नहीं जुतना चाहिए? ____________________

____?

20. (2 कुरिन्थियों 5:20) क्योंकि परमेश्वर ने मसीह के द्वारा हमारा मेलमिलाप कराया है, इसलिए हम चाहते हैं कि दूसरे भी उसके साथ मेलमिलाप कराएँ। इसलिए हमें बुलाया गया है ______________________________.

भाग चार के लिए स्मरणीय वचन है 2 कुरिन्थियों 6:14

कृपया प्रश्नों या टिप्पणियों के लिए अलग पृष्ठ का उपयोग करें।

इस परिचयात्मक बाइबल पाठ को पूरा करने के लिए आपने बाइबल के किस संस्करण का उपयोग किया:

________________________.

पूरा पाठ यहां भेजें:

C
G B B
G
r
a
c
i
a

Creyentes Bíblicos de la Gracia
Grace Bible Believers

www.badnewsgoodnews.net
info@badnewsgoodnews.net

Attn.: Rob van der Zee
Apartado 143
29631 Arroyo de la Miel (Málaga)
ESPAÑA / *SPAIN*
Tel.: (+34) 636 993 444

तारीख: ____________________

नाम: ____________________

पता: ____________________

शहर: ________________ राज्य: ________ ज़िप कोड: ________________

देश: ____________________

मेल पता: ____________________

स्रोत और कॉपीराइट 2002: प्रिज़न मिशन एसोसिएशन (www.prisonmission.org)